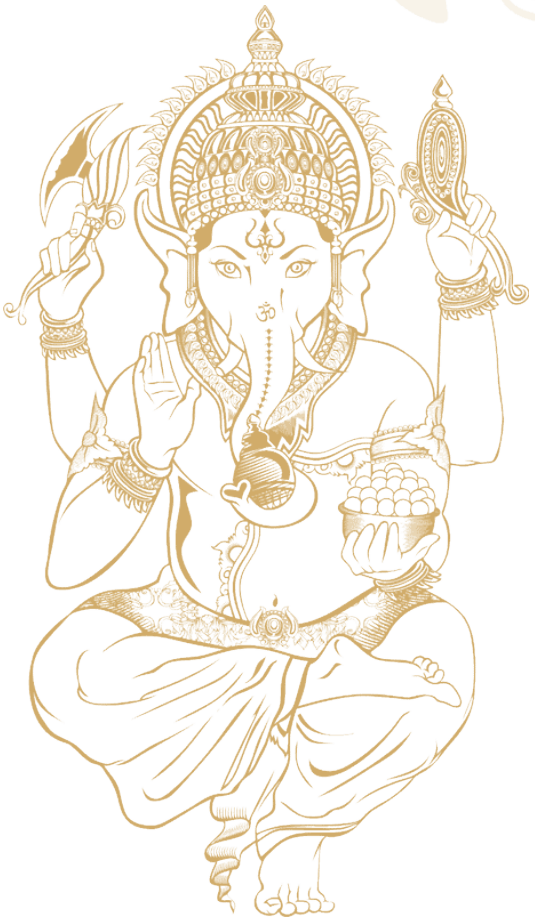

23 Dec 2003

12:30 AM

Jhansi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121069806

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**22-23/12/2003**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**00:30:00 घंटे**
इष्ट	43:50:41 घटी
स्थान	**Jhansi**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	25:27:00 उत्तर
रेखांश	78:34:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:15:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	00:14:16 घंटे
वेलान्तर	00:01:42 घंटे
साम्पातिक काल	06:17:57 घंटे
सूर्योदय	06:57:43 घंटे
सूर्यास्त	17:30:33 घंटे
दिनमान	10:32:50 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	06:35:52 धनु
लग्न के अंश	10:08:36 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**ज्येष्ठा - 4**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	गण्ड
करण	चतुष्पाद
गण	राक्षस
योनि	मृग
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	यू-युक्ता
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	10:08:36	325:59:57	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	---
सूर्य			धनु	06:35:52	01:01:08	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	मित्र राशि
चंद्र			वृश्चि	27:56:35	15:08:44	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	नीच राशि
मंगल			मीन	09:44:14	00:35:29	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	मित्र राशि
बुध	व	अ	धनु	16:09:49	00:57:53	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	सूर्य	सम राशि
गुरु			सिंह	24:45:24	00:02:20	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	मित्र राशि
शुक्र			मक	07:57:58	01:14:02	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	मित्र राशि
शनि	व		मिथु	16:35:52	00:04:50	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	मित्र राशि
राहु	व		मेष	25:58:55	00:04:14	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	केतु	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	25:58:55	00:04:14	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	सम राशि
हर्ष			कुंभ	05:48:06	00:02:08	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	---
नेप			मक	17:28:59	00:01:50	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	26:14:49	00:02:15	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	गुरु	---
दशम भाव			मिथु	10:12:29	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:32

लग्न-चलित

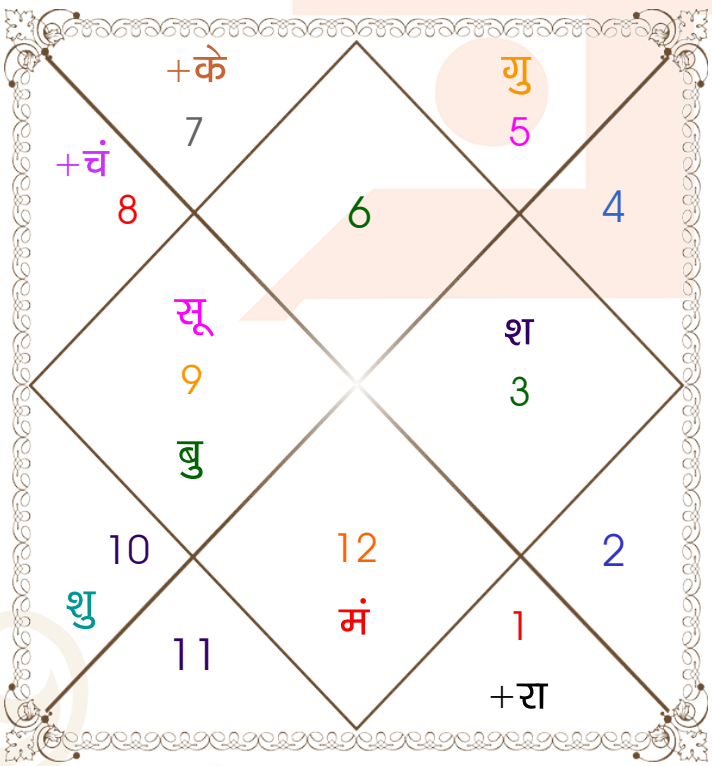

चन्द्र कुंडली

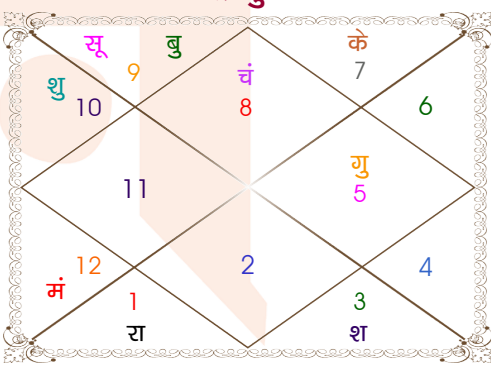

नवमांश कुंडली

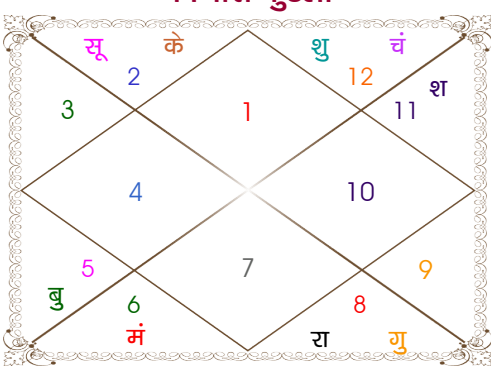

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 2 वर्ष 7 मास 14 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
23/12/2003		06/08/2006		06/08/2013		06/08/2033		07/08/2039	
06/08/2006		06/08/2013		06/08/2033		07/08/2039		06/08/2049	
	00/00/0000	केतु	03/01/2007	शुक्र	06/12/2016	सूर्य	24/11/2033	चंद्र	06/06/2040
	00/00/0000	शुक्र	04/03/2008	सूर्य	06/12/2017	चंद्र	25/05/2034	मंगल	05/01/2041
	00/00/0000	सूर्य	09/07/2008	चंद्र	07/08/2019	मंगल	30/09/2034	राहु	07/07/2042
	00/00/0000	चंद्र	08/02/2009	मंगल	06/10/2020	राहु	25/08/2035	गुरु	06/11/2043
	00/00/0000	मंगल	07/07/2009	राहु	06/10/2023	गुरु	12/06/2036	शनि	06/06/2045
	00/00/0000	राहु	25/07/2010	गुरु	06/06/2026	शनि	25/05/2037	बुध	06/11/2046
	00/00/0000	गुरु	01/07/2011	शनि	06/08/2029	बुध	01/04/2038	केतु	07/06/2047
	23/12/2003	शनि	09/08/2012	बुध	06/06/2032	केतु	06/08/2038	शुक्र	04/02/2049
शनि	06/08/2006	बुध	06/08/2013	केतु	06/08/2033	शुक्र	07/08/2039	सूर्य	06/08/2049

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
06/08/2049		06/08/2056		06/08/2074		06/08/2090		07/08/2109	
06/08/2056		06/08/2074		06/08/2090		07/08/2109		24/12/2123	
मंगल	02/01/2050	राहु	19/04/2059	गुरु	24/09/2076	शनि	09/08/2093	बुध	04/01/2112
राहु	21/01/2051	गुरु	12/09/2061	शनि	07/04/2079	बुध	18/04/2096	केतु	31/12/2112
गुरु	28/12/2051	शनि	19/07/2064	बुध	13/07/2081	केतु	28/05/2097	शुक्र	01/11/2115
शनि	04/02/2053	बुध	05/02/2067	केतु	19/06/2082	शुक्र	29/07/2100	सूर्य	06/09/2116
बुध	02/02/2054	केतु	24/02/2068	शुक्र	17/02/2085	सूर्य	11/07/2101	चंद्र	06/02/2118
केतु	01/07/2054	शुक्र	23/02/2071	सूर्य	06/12/2085	चंद्र	09/02/2103	मंगल	03/02/2119
शुक्र	31/08/2055	सूर्य	18/01/2072	चंद्र	07/04/2087	मंगल	20/03/2104	राहु	22/08/2121
सूर्य	06/01/2056	चंद्र	19/07/2073	मंगल	13/03/2088	राहु	25/01/2107	गुरु	28/11/2123
चंद्र	06/08/2056	मंगल	06/08/2074	राहु	06/08/2090	गुरु	07/08/2109	शनि	24/12/2123

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 2 वर्ष 7 मा 14 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के प्रथम चरण में कन्या लग्न के उदयकाल में हुआ था। साथ ही उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काणा भी उदित था। जिसके प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप द्विस्वाभात्मक गुणों युक्त हैं। आप धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन कर धर्म मार्ग में प्रवीण हो गई हैं तथा यह सन्देहास्पद विषय है कि आप इस मार्ग के सहारे अपने लक्ष्य को सम्पादित कर सकेंगी।

आप कुप्रवृति से दूसरों को सताकर धन का संचय करेंगी। ऐसा प्रतीत होता है कि आप धन की सुनिश्चितता के लिए किसी भी हद तक जा सकती हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकती हैं। आप निष्ठुर उद्दमी एवं परिश्रमी अध्यवसायी प्रवृति की हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकती हैं और मनुष्योचित जरूरतों की पूर्ति हेतु आप कोई स्पष्ट चाल चलकर अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु पश्चाताप करोगी। आप प्रसन्नचित एवं भाग्यशाली महिला हैं। आप संसारिक सुख का आनन्द प्राप्त करेंगी। आप अच्छे हृदय से अनेक प्रकार के सामाजिक कार्य में भाग लेगीं। आप सदैव ही सभी के प्रेम सहवास की आकांक्षा रखेंगी।

आप कई वर्षों तक वैवाहिक संस्कार ग्रहण नहीं करेंगी। परन्तु जब आप एक वार अपने जीवन साथी का चयन कर लेंगी तो विवाहोपरान्त उसमें जोंक की तरह चिपक जाएँगी। अर्थात सदैव उसके तन-मन के साथ रहेंगी। यह सत्य है कि आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित रहेंगी। आपके पति आपके साथ एक पति की अनिवार्य भूमिका अदा करेंगे तथा सदैव ही प्रसन्नता की बिन्दु तलाश कर आपको प्रसन्न रखेंगे। आप अपने पति के माध्यम से सदैव ही अच्छी सन्तान ग्रहण करेंगी। आपको उसके सम्बन्ध में कदापि भी उदासीन एवं चिन्तनीय दशा नहीं रहेगी। वह निश्चित रूप से आपकी सन्तान को शिक्षित कर सुविधापूर्वक जीवन को व्यवस्थित कर देंगे।

आपकी सामुद्रिक विदेश की यात्रा सभी प्रकार से मधुर मंगलमय नहीं होगी। आप स्वयं के बचाव के लिए प्रभावशाली बंधन पाल रखा है जो जीवन को अवरोधक एवं द्वन्दात्मक बना दिया है। आप निश्चित रूप से स्वतः एकाग्रतापूर्वक एकमत से विचार कर किसी भी विषय को सम्पादित करने के लिए सक्षम हैं। परन्तु सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। आप पुनः अव्यवस्था का प्रतिकार कर लिया है तथा आपको सुव्यवस्थित समय का लाभ प्राप्त होगा। आपकी यह विशेषता है कि आप स्वच्छन्द रहती हैं। आप अपने मस्तिष्क को विषय वस्तु की ओर प्रवृत कर आप पुनः उत्साह पूर्वक कार्यारम्भ करने के लिए तैयार हो जाऐं।

यदि आप अपनी स्वास्थ्य रक्षा चाहती हैं तथा युवावस्था का लाभ प्राप्त करना चाहती हैं। अपनी युवावस्था अर्थात मध्यम आयु का आनन्द एवं लाभ प्राप्त करें। आप अपनी जीवन पद्धति की ह्रासमुखी अवधारणा को बदल सकती हैं। अन्यथा आप ज्यो-ज्यों आयु पथ पर प्रौढ़ता प्राप्त करती जाएंगी। आपको मध्यपान का अनुभव प्राप्त होगा और आपको रुग्नकारी प्रभाव से प्रभावित कर देगा। वैसे आप किसी विषम रोग से आक्रान्त तो नहीं होगीं। परन्तु

आपको सिरोवेदना, पीठ के दर्द, ट्यूमर एवं रक्तचाप वृद्धावस्था में कष्टकर न हो। अतः सतर्कता बरतनी चाहिए। सम्प्रति आप दीर्घ जीवन व्यतीत करने के प्रति आश्वस्त रहें। आपको संभावित रोगादि के प्रति सुरक्षात्मक अभिरूचि रखना चाहिए ताकि आपका जीवन रोग मुक्त एवं सुरक्षित रहे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल हैं तथा अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए त्यागनीय है।

आपके लिए अनुकूल एवं भाग्यशाली रंग पीला, सूआपंखी, हरा रंग है। आपके लिए रंग लाल, बल्लू एवं काला रंग प्रतिकूल है।